| 1

Copyright © 2020 Vhp. | All rights reserved. . . | 1

प्रैस विज्ञप्ति
मंगलुरू – दिसंबर 27, 2019। विहिप की तीन दिवसीय केन्द्रीय बैठक आज मंगलुरू के संघ निकेतन सभागार में आरंभ हुई। पूज्य विश्वप्रसन्नतीर्थ जी महाराज, पूज्य धर्माधिकारी वीरेन्द्र जी हेगडे, विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष श्री वी.एस. कोकजे व कार्याध्यक्ष श्री आलोक कुमार की एवं अशोक चौगुले जी, विहिप के महामंत्री श्री मिलिन्द पराण्डे जी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर बैठक का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ जी महाराज ने कहा कि सर्वे भवन्तुः सुखिनः हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है। भगवान् श्रीराम हमारे आदर्श पुरुष हैं और रामराज्य हमारी संकल्पना है। जिस प्रकार बादलों के छटते ही सूर्य पुनः प्रकाशित होता है वैसे ही भारतीय संस्कृति का सूर्य पुनः प्रकाशित हो रहा है।
उद्घाटन सत्र में पद्मविभूषण पूज्य श्री वीरेन्द्र हेगडे़ जी ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि अयोध्या में भगवान श्रीराम जी का भव्य मंदिर का निर्माण शीघ्र हो। मंदिर हमारे प्रेरणा केन्द्र हैं और ये सेवा के केन्द्र बनने चाहिए। मंदिर द्वारा संचालित सेवाकार्यों से धर्मान्तरण रूकेगा, समाज में सांस्कृतिक जागरण होगा और अब कर्नाटक में कोई भूख और अभाव के कारण धर्मान्तरण नहीं होगा यह मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं। युवाओं में नैतिक शिक्षण आज देश की आवश्यकता है। विदेशों में भारतीय संस्कृति को मानने वाले लोग तेजी से बढ़ रहे है।
विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष श्री विष्णु सदाशिव कोकजे जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि तीन दिन की इस बैठक में गत छः माह के कार्यों की समीक्षा करके आगामी कार्ययोजना बनानी है तथा उन्होंने यह भी कहा कि 1964 में अपनी स्थापना के समय विश्व हिंदू परिषद ने जो संकल्प लिया था वह अभी पूर्ण नहीं हुआ है। सामाजिक समरसता और धर्मान्तरण समाप्त करने का काम अभी शेष हैं। हिंदू समाज की समस्याओं के निराकरण में विहिप की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जारीकर्ता:
विजय शंकर तिवारी
केन्द्रीय प्रचार प्रसार प्रमुख
विश्व हिन्दू परिषद
@VHPDigital
M-9899835132